

### भसाधारण

## **EXTRAORDINARY**

माग II--- लण्ड 3--- उपलब्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 129] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 14, 1970/कावाइ 23, 1892 No. 129] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 14, 1970/ASADHA 23, 1892

इस भाग म भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के क्य में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be flick as a separate compilation.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th July 1970

G.S.R. 1038.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Bengal Finance (Sales Tax) Act. 1941 (Bengal Act 6 of 1941), as in force in the Union territory of Delhi, the Central Government hereby gives notice of its intention to make, with effect from the 1st day of August 1970, the following further amendments in the Second Schedule to the said Act.

Any suggestions or objections which may be received from any person in respect of the following amenaments before the 28th July, 1970, will be considered by the Central Government.

#### Draft Amendments

In the said Schedule, for item No. 17, the following item and the Explanation shall be substituted, namely:—

"17. All varieties of cotton fabrics, rayon or artificial silk fabrics and woollen fabrics but not including durries, druggets and carpets.

Explanation.—The expressions "Cotton fabrics", "rayon or artificial silk fabrics" and "woollen fabrics' shall have the same meanings as are. respectively assigned to them in the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944)."

[No. F. 16/22/68-UTL.] K. R. PRABHU, Jt. Secy.

# गृह मंत्रालय

# मधिसूचना

# नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1970

साक्ता निव 1038: -विल्ली के संघ राज्य क्षेत्र में यया प्रवृत्त बंगाल विल (विक्रय कर) प्रिविनियम, 1941 (1941 का बंगाल प्रिविनियम 6), की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रवल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त प्रधिनियम की द्वितीय प्रनुसूची में प्रगस्त, 1970 के पहले विन से और प्रागे निम्नलिखित संशोधन करने के ग्रपने ग्राशय की सूचना देती है।

निम्नलिखित संशोधनों के बारे में जो कोई सुझाव या ग्राक्षेप किसी व्यक्ति से 28 जुलाई, 1970 से पूर्व प्राप्त होंगे, उन पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्रारूप संशोधन

उक्त भ्रनुसूची में मद सं० 17 के स्थान पर निम्नलिखित मद भीर स्पष्टीकरण प्रतिस्थापित किए जाएंगे, प्रथात्:—

"17. सूती फैबिक, रेयान या कृत्रिम रेशमी फैबिक श्रौर ऊनी फैबिक किन्तु इसके श्रन्सगैत परिया, ड्रेगेट श्रौर कालीन नहीं हैं।

स्पष्टीकरण:--"सूती फैब्रिक", "रैयान या क्रुलिम रेशमी फैब्रिक" भीर "ऊनी फैब्रिक" पदों के वे ही अर्थ होंगे जो क्रमश: उनके केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रीर नमक श्रधिनियम 1944 (1944 का 1) में है"

> [सं० फा० 16/22/68-यू०टी०एल०] के० भ्रार० प्रभु, संयुक्त सचिव, ।